मुद्रित पृष्ठों की संख्या : 3

MJY–008

स्नातकोत्तर कला उपाधि (ज्योतिष)

(एम. ए. जे. वाई.)

सत्रांत परीक्षा

दिसम्बर, 2023

एम.जे.वाई.-008 : फल-विचार

समय : 3 घण्टे *अधिकतम अंक : 100*

नोट : *यह प्रश्न-पत्र* **दो** *खण्डों में है। सभी खण्ड अनिवार्य है। खण्डों में दिए गए निर्देशानुसार ही प्रश्नों के उत्तर दीजिए।*

भाग—क

$3 \times 20 = 60$

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* **तीन** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।*

1. राशिफल विवेचन के सन्दर्भ में मिथुन तथा कर्क राशियों के फल का विवेचन कीजिए।

2. राशिफल विवेचन के सन्दर्भ में तुला तथा वृश्चिक राशियों के द्वादश भावों में फलाफल का उल्लेख कीजिए।

3. भावफल क्या है ? भावों से विचारणीय विषयों का विस्तृत वर्णन कीजिए।

4. द्वादशभावगत सूर्यग्रह के प्रभाव से उत्पन्न फल का विस्तृत वर्णन कीजिए।

5. मंगल ग्रह क्या है ? द्वादश भावों में मंगल के विविध फलाफल की विवेचना कीजिए।

6. जन्मांग में धनभाव किसे कहते हैं ? इस से विचारणीय विषय का वर्णन कीजिए।

भाग—ख $(4 \times 10 = 40)$

नोट : *निम्नलिखित में से किन्हीं* ***चार*** *प्रश्नों के उत्तर दीजिए। सभी प्रश्नों के अंक समान है।*

1. सारांश रूप में मित्रभाव से विचारणीय विषयों का वर्णन कीजिए।

2. भूमि-भवन और वाहन के सुख का विचार किस आधार पर करते हैं ? उल्लेख कीजिए।

3. आयु विचार के सिद्धान्तों का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

4. भाग्य का विचार किस भाव से करते हैं ? पठित अंश के आधार पर सैद्धान्तिक वर्णन कीजिए।

5. आजीविका का विचार किस भाव से होता है ? संक्षेप में आजीविका विषयक मतों का वर्णन कीजिए।

6. लाभ का विचार किस भाव से करेंगे ? सिद्धान्त के अनुसार वर्णन कीजिए।

7. व्ययभाव में किन-किन विषयों का विचार किया जाता है ? वर्णन कीजिए।

8. मातृसुख के विचार हेतु क्या बताया गया है ? भावों से विचार किए जाने वाले मतों का वर्णन कीजिए।